Literacy for a Billion

Movie: Footpath
Year: 1953

Song: Sham E Gham Ki Kasam
Lyricist: Majrooh Sultanpuri

शाम-ए-ग़म की कसम
आज ग़मगीं हैं हम
आ भी जा
आ भी जा
आज मेरे सनम
शाम-ए-ग़म की कसम
दिल परेशान है
रात वीरान है
देख जा किस तरह
आज तन्हा हैं हम
शाम-ए-ग़म की कसम
चैन कैसा जो
पहलू में तू ही नहीं
मार डाले ना
दर्द-ए-जुदाई कहीं
रूत हसीं हैं तो क्या
चाँदनी है तो क्या
चांदनी जुल्म है और जुदाई सितम
शाम-ए-ग़म की कसम
आज ग़मगीं हैं हम
आ भी जा

आ भी जा
आज मेरे सनम
शाम-ए-ग़म की कसम
अब तो आजा के अब
रात भी सो गई
ज़िन्दगी ग़म के
सहराओं में खो गई
अब तो आजा के अब
रात भी सो गई
ज़िन्दगी ग़म के
सेहरा में खो गई
ढूँढ़ती है नज़र तू
कहाँ है मगर
देखते देखते आया
आँखों में नम
शाम-ए-ग़म की कसम
आज ग़मगीं हैं हम
आ भी जा
आ भी जा
आज मेरे सनम
शाम-ए-ग़म की कसम

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.